शिक्षक दिवस- 2024

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत ने 5 सितंबर, 2024 को **डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (1888-1975)** की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया।

- इस दिन भारत के राष्ट्रपति शिक्षकों को सम्मानित करने, समाज को सशक्त बनाने और शिक्षित करने में उनके योगदान को मान्यता देने के लिये राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार (NTA) प्रदान करते हैं।

//

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **जन्म:** उनका जन्म **5 सितंबर, 1888** को **तमिलनाडु के तिरुत्तनी में** एक तेलुगु परिवार में हुआ था।
- **शैक्षणिक उपलब्धियाँ:** उन्होंने कई प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया। वे वर्ष 1921 से 1932 तक**कलकत्ता विश्वविद्यालय में किंग जॉर्ज पंचम चेयर**, वर्ष 1931 से 1936 तक **आंध्र विश्वविद्यालय के द्वितीय कुलपति** और 1939 से 1948 तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय **के चौथे कुलपति** रहे।
  - इसके अतिरिक्त वर्ष 1936 से 1952 तक वह **ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पूर्वी धर्म और नीतिशास्त्र के प्रोफेसर** थे।
- **राजनीतिक करियर:** वे **भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति** (वर्ष 1952-62) और बाद में **भारत के द्वितीय राष्ट्रपति** (वर्ष 1962-67) बने।
- **दार्शनिक:** दार्शनिक क्षेत्र में व्यापक रूप से उन्हें भारत और पश्चिम के बीच एक '**सेतु-निर्माता**' के रूप में जाना जाता है।
  - उन्होंने हिंदू धर्म का बचाव उस "**अज्ञानी पश्चिमी आलोचना**" के विरुद्ध किया, जिससे वैश्विक स्तर पर धर्म की अधिक सूक्ष्म समझ स्थापित करने में मदद मिली।
- **सम्मान: वर्ष 1954 में** उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
  - वर्ष 1931 में उनकी उल्लेखनीय शिक्षा के लिये उन्हें **ब्रिटेन के पूर्व राजा किंग जॉर्ज पंचम द्वारा नाइटहुड की उपाधि** से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार क्या है?

- **NTA के बारे में:** राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार (National Teachers' Award- NTA) स्थापना **शिक्षकों के अद्वितीय योगदान** का उत्सव मनाने और उन्हें सम्मानित करने के लिये की गई थी, जिन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है और छात्रों के जीवन को समृद्ध बनाया है।
  - इसमें **प्रमाण-पत्र, 50,000 रुपए का नकद पुरस्कार और एक रजत पदक** दिया जाता है।
  - यह **शिक्षा मंत्रालय** द्वारा दिया जाता है। वर्ष 2024 में 82 शिक्षकों का चयन NTA के लिये किया गया था।
- **NTA के लिये शिक्षकों की पात्रता: मान्यता प्राप्त प्राथमिक/मध्य/उच्च/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों** में कार्यरत स्कूल शिक्षक और स्कूल प्रमुख चयन हेतु पात्र हैं। उदाहरणतः राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा संचालित स्कूल, CBSE से संबद्ध स्कूल आदि।
  - केवल **न्यूनतम दस वर्ष की सेवा वाले नियमित शिक्षक और स्कूल प्रमुख** ही पात्र हैं।
- **NTA के लिये अयोग्यता:** शिक्षक/प्रधानाध्यापक को **निजी ट्यूशन उपलब्ध** कराने में शामिल नहीं होना चाहिये।
  - **संविदा शिक्षक और** शिक्षा मित्र पात्र नहीं हैं।
  - शैक्षिक **प्रशासक,** शिक्षा **निरीक्षक** और **प्रशिक्षण संस्थानों के कर्मचारी** इन पुरस्कारों के लिये पात्र नहीं हैं।
- **मूल्यांकन मानदंड:** शिक्षकों का मूल्यांकन, **मूल्यांकन मैट्रिक्स** के आधार पर किया जाता है, जिसमें मूल्यांकन के लिये **दो प्रकार के मानदंड** होते हैं।
  - **वस्तुनिष्ठ मानदंड:** इसके अंतर्गत शिक्षकों को प्रत्येक वस्तुनिष्ठ मानदंड के लिये अंक दिये जाते हैं। इसे 100 में से 10 अंक दिये जाते हैं।
  - **प्रदर्शन के आधार पर मानदंड:** इसके अंतर्गत शिक्षकों को प्रदर्शन के आधार पर अंक दिये जाते हैं, जैसे**अधिगम के परिणामों को बेहतर बनाने के लिये पहल, किये गए नए प्रयोग आदि।** इन मानदंडों को 100 में से 90 अंक दिये जाते हैं।

https://youtu.be/p-Q8fuyZci4

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????:

प्रश्न. प्राचीन भारत के विद्वानों/साहित्यकारों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2020)

1. पाणिनि पुष्यमित्र शुंग से संबंधित हैं।
2. अमरसिंह हर्षवर्धन से संबंधित हैं।
3. कालिदास चंद्रगुप्त-II से संबंधित हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

प्रश्न.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

1. शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के अनुसार, किसी राज्य में शिक्षक के रूप में नियुक्ति के लिये पात्र होने हेतु, किसी व्यक्ति को संबंधित राज्य अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित न्यूनतम योग्यता रखने की आवश्यकता होगी।
2. RTE अधिनियम के अनुसार, प्राथमिक कक्षाओं को पढ़ाने के लिये उम्मीदवार को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है।
3. भारत में 90% से अधिक शिक्षक शिक्षा संस्थान सीधे राज्य सरकारों के अधीन हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा सही है / हैं?

(a) 1 और 2
(b) केवल 2
(c) 1 और 3
(d) केवल 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. निम्नलिखित गांधीवादी अनुयायियों में से कौन पेशे से शिक्षक थे? (2008)

(a) ए. एन. सिन्हा

(b) ब्रज किशोर प्रसाद
(c) जे. बी. कृपलानी
(d) राजेंद्र प्रसाद

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/teachers-day-2024